



॥ माँ काली पूजा विधि ॥

माँ काली, भय, भ्रम, नकारात्मकता
और बाधाएँ दूर करती है

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ माँ काली पूजा विधि ॥

श्रेष्ठ समय:

मध्यरात्रि साधना, अमावस्या, मंगलवार, शनिवार, या Diwali की रात्रि (काली पूजा परम्परा में)।
सामान्य भक्ति हेतु प्रातः/सायं भी कर सकते हैं।

आवश्यक सामग्री:

माता का चित्र/मूर्ति, लाल/काला वस्त्र, दीपक, धूप, पुष्प (लाल जपा/गुड़हल), अक्षत, जल, नैवेद्य, फल, मिठाई, सिंदूर, कुमकुम।

विधि:

स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें, पूजा स्थान शुद्ध कर आसन बिछाएँ।
Maa Kali का चित्र/मूर्ति स्थापित करें, दीपक जलाएँ, धूप दिखाएँ।
जल, अक्षत, पुष्प अर्पित करें, सिंदूर, कुमकुम, वस्त्र अर्पित करें।

मंत्र जप करें (11 / 21 / 108 बार):

ॐ क्रीं कालिकायै नमः ॥
स्तुति/चालीसा/आरती करें।
नैवेद्य अर्पित करें।
भय, बाधा, शत्रु, नकारात्मकता से रक्षा की प्रार्थना करें।
प्रसाद बाँटें।

विशेष नियम:

क्रोध, मदपान, हिंसा, अपशब्द से बचें।
साधना श्रद्धा और संयम से करें।
रात्रि पूजा में दीपक सुरक्षित रखें।
शक्ति उपासना में शुद्ध मन आवश्यक है।

संक्षिप्त प्रार्थना:

या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता ।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ॥

॥ इति माँ काली पूजा विधि सम्पूर्ण ॥